मेसर्स जिंदल पॉवर लिमिटेड द्वारा तहसील घरघोड़ा, जिला रायगढ़ (छ.ग.) में ओपन कॉस्ट एवं अण्डरग्राउण्ड कोल माईन, गारे IV/2 एवं IV/3 सब ब्लॉक इन गारे पलमा एरिया का क्षमता विस्तार – 5.25 एम.टी.पी.ए. से 6.25 एम.टी.पी.ए. एवं प्रस्तावित कोल वॉशरी (800 टीपीएच) के पर्यावरणीय स्वीकृति के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई दिनांक 23.10.2010 का कार्यवाही विवरण :–

मेसर्स जिंदल पॉवर लिमिटेड द्वारा तहसील घरघोड़ा, जिला रायगढ़ (छ.ग.) में ओपन कॉस्ट एवं अण्डरग्राउण्ड कोल माईन, गारे IV/2 एवं IV/3 सब ब्लॉक इन गारे पलमा एरिया का क्षमता विस्तार – 5.25 एम.टी.पी.ए. से 6.25 एम.टी.पी.ए. एवं प्रस्तावित कोल वॉशरी (800 टीपीएच) के पर्यावरणीय स्वीकृति के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई दिनांक 23.10.2010 को ग्राम पंचायत धौराभांठा, तहसील तमनार, जिला रायगढ (छ.ग.) में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी रायगढ़, की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा प्रातः 11.00 बजे लोक सुनवाई की कार्यवाही प्रारंभ की गई लोक सुनवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, रायगढ़ अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), घरघोड़ा तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ उपस्थित थे। लोक सुनवाई में आसपास के ग्रामवासी तथा रायगढ़ के नागरिकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं ने भाग लिया। सर्वप्रथम क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा ई.आई.ए. नोटिफिकेशन दिनांक 14.09.06 के प्रावधानो की जानकारी दी गयी।

लोक सुनवाई में लगभग 2000 लोगो का जन समुदाय एकत्रित हुआ। उपस्थिति पत्रक पर 107 लोगों ने हस्ताक्षर किये। मौखिक वक्तव्यों को लिपिबद्ध किया गया।

लोक सुनवाई, उद्योग प्रतिनिधि के द्वारा परियोजना के प्रस्तुतिकरण से प्रांरभ हुई। सर्वप्रथम उद्योग की ओर से कंपनी प्रतिनिधि डॉ. एस. एस. गर्ग वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, पर्यावरण ने प्रस्तावित विस्तार परियोजना से होने वाले प्रदूषण नियंत्रण, जल की आवश्यकता, ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन, स्थानीय लोगों को रोजगार, सामुदायिक विकास कार्य आदि के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा उद्योग प्रतिनिधि को जन सुनवाई के दरम्यान उठायी गई आपत्तियों, टीकाटिप्पणी को नोट करने तथा उन्हें कार्यवाही के अंत में बिन्दुवार स्पष्ट जानकारी देने का निर्देश दिया गया। इसके उपरांत उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणी आमंत्रित की गयी, जिस पर निम्नानुसार 741 व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किये –

सर्वश्री –

1. अभिषेक पटनायक, डोलेसरा – कंपनी के आने से गरीबी खत्म हो गई है, किसानों को बंधवा नहीं बनना पड़ रहा है । आज गरीबों को शासन से जीने का अधिकार मिल रहा है, हर किसी को रोजगार मिल रहा है, शासन के पास तो नौकरी नहीं है। कंपनी के आने से पहले बहुत अशिक्षा थी, कंपनी के आने से शिक्षा का विकास हुआ है, बच्चों को अच्छे स्कूलों में पढ़ने का मौका मिल रहा है। कंपनी गांव गांव जाकर ईलाज कर रही है।

स्वास्थ्य सुविधा मिल रही है। कंपनी के आने से गांव का विकास हुआ है, तालाब खुदाई, बोर खुदाई, और व्यवसायिक प्रशिक्षण मिल रहा है जिसका फायदा उठाया जा रहा है। लोगों को रोजगार मिल रहा है, कृषि और अन्य क्षेत्र में विकास हो रहा है। इसलिये मेरा निवेदन है कि आये हुए सभी इसका समर्थन करें। मैं कोल माईन का समर्थन करता हूॅ

2. ज्ञान सागर गुप्ता, जांजगीर – इस कंपनी में चाहे मुझे कोई दलाल कहे, हॉ मैं इस कंपनी का दलाल हूॅ, इस क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने के लिये मैं दलाल हूॅ। इस क्षेत्र के विकास के लिये मैं इस कंपनी का दलाल हूॅ। जब अर्जुन सिंह इस क्षेत्र में आये थे, तब यह क्षेत्र बहुत पिछड़ा था, तो लोग उनसे उड़ीसा में मिलना चाहते थे, वे ऐसा क्यों करना चाहते थे, क्योकि यह क्षेत्र पिछड़ा था। शिक्षा के क्षेत्र में, बिजनेस के क्षेत्र में रोजगार के क्षेत्र में यह क्षेत्र बहुत आगे आया है, विकास के साथ विनाश तो आता ही है, जब तक हमारा पापुलेशन कंट्रोल नहीं होगा तब तक हमारा विकास नहीं हो सकेगा। आज जो नजारा हमको देखने को मिल रहा है, भगवान ने, खुदा ने, अल्लाह ने इस क्षेत्र में नवीन जिंदल जी को भेजा इस क्षेत्र के विकास के लिये। कंपनी को बढ़ाने वालो को मैं बहुत–बहुत धन्यवाद देता हूॅ।
3. परशुराम पटेल, डोलेसरा – मैं कोल वॉशरी का समर्थन करता हूॅ।
4. अशोक कुमार निषाद, डोलेसरा – जिंदल पॉवर लिमिटेड के द्वारा कई प्रकार के कार्य किये जा रहे है, पर्यावरण के विकास के लिये भी कई कार्य किये जा रहे हैं, इसलिये मैं इस जन सुनवाई का समर्थन करता हूॅ।
5. सुलोचना साव, तमनार – जब से जिंदल आया है हमारे क्षेत्र में विकास हुआ है, प्रतिक्षालय, शौचालय, वृद्धा पेंशन, बच्चों को बैग मिला है, इसलिये मैं इसका समर्थन करती हूॅ।
6. रुकमणी पटनायक, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ। क्योंकि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में बहुत सारा काम किया है।
7. मनोरमा पटनायक, गोढ़ी – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ। क्योंकि जिंदल के द्वारा बहुत सारे विकास के कार्य किया है, रोड और तालाब का निर्माण कराया गया है।
8. सुलोचना साहू, महलोई – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
9. बनमाला सिदार,रेगांव – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
10. रमा साहू, तमनार – मैं जिंदल का स्वागत करती हूॅ। जिंदल ने हमांरे गांव में तालाब, टंकी का निर्माण कराया गया है, मेडिकल कैम्प का आयोजन किया जाता है, बच्चों को बैग, छाता आदि का वितरण किया गया है। कंपनी ने हमें बहुत सहयोग दिया है।
11. श्रीमती कविता गुप्ता, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ। क्योंकि वह शिक्षा के क्षेत्र में बहुत सारे काम कर रहा है, गरीबों के लिये अन्नदाता के रुप में काम किया है।
12. सुशीला साव, पाता – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।

13. गीता पटेल, कसडोल – कंपनी के आने से पहले बहुत सारे समस्या थी, जिंदल के आने से सारे समस्याओं का निदान हो गया है, किसी को कोई समस्या नहीं है, इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
14. वंदना यादव, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
15. माधुरी पटेल, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
16. ममता शर्मा, बिजारी – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
17. लीलावती यादव, सलिहाभांठा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
18. कुमारी गीता निषाद, तमनार – आज जिंदल पॉवर लिमिटेड के कोल माईन और कोल वॉशरी के लिये जन सुनवाई हो रहा है, हमारे क्षेत्र में जब से जिंदल आया है तब से शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में बहुत विकास हुआ है। इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
19. श्रीमती सोन कुमारी तिग्गा, आमाघाट – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
20. सीता, बंधवापाली – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
21. ज्योती राठिया, रोड़ोपाली – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
22. गोमती साहु, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
23. देवमती राणा, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
24. फूलवासीन, झिंगोल – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
25. ज्योति कुजूर, गोढ़ी – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
26. श्रुति साहू, कसडोल – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
27. तुलेश्वरी साहु, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
28. निर्मला निषाद, कोड़केल – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
29. सुचिता तिग्गा, आमाघाट – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
30. पुष्पा नायक, महलोई – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
31. कुमारी मुक्तेश्वरी नायक, गोढ़ी – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
32. जितेश्वरी पटनायक, गोढ़ी – जिंदल के द्वारा गांव में शिक्षा और स्वास्थ्य के लिये सराहनीय योगदान किया है । इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
33. बबीता चौहान, कोसमपाली – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
34. कौशल्या सिदार, कोसमपाली – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
35. तेजराम पैकरा, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ। क्योंकि इसके आने से गांव में चिकित्सा और शिक्षा की सुविध मिली है, जिंदल के आने से पहले बहुत दूर से पानी लाना पड़ता था, आज सब सुविधा मिल रहा है।
36. अश्वनी कुमार गुप्ता, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
37. ओम प्रकाश साहु, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
38. संतोष कुमार पटनायक, डोलेसरा – इस कंपनी का समर्थन करता हूँ।
39. रुपेन्द्र पैंकरा, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
40. युगल किशोर, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
41. पुनीराम चौहान, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
42. सुरेश अघरीया, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।

43. धोबीराम, सिदार, पाता – मैं जिंदल कोल माईन का समर्थन करता हूॅ। क्योंकि जिंदल रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र मे कार्य कर रहा है। इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
44. राधेश्याम यादव, पाता – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
45. देवसिंह सिदार, पाता – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
46. दीपक खेस, कुंजेमुरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
47. सुफल विश्वकर्मा, बांधापाली – जिंदल ने अपने हित के लिये लोगों को जितना सहयोग किया है, वह मैं बताना चाहूॅगा। शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी और रोजगार के क्षेत्र में बहुत सहयोग किया गया है।
48. कृष्ण कुमार नायक, बांधापाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
49. लखन लाल पटनायक, बांधापाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
50. गुलाब राम साहू, बांधापाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
51. आशाराम राठिया, बांधापाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
52. चन्द्रकांती, कोसमपाली – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
53. अहिल्या सिदार, कोसमपाली – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
54. हीरा बाई सिदार, डोंगामहुआ – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
55. लीलमती, डोंगामहुआ – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
56. बिलासो, डोंगामहुआ – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
57. गुरबारी साहु, डोंगामहुआ – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
58. मोंगरा बाई, डोंगामहुआ – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
59. केंवरा बाई, डोंगामहुआ – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
60. पैता, डोंगामहुआ – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
61. सौदामिनी बख्शी, लिबरा –जिंदल ने बहुत विकास किया है, लिबरा गांव का स्कुल बाउण्डी बनाया है, पानी टंकी बनाया है, इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ। जिंदल और लिबरा के बहुत सारे लोग कंपनी में काम करते है, जिंदल के द्वारा गांव के बच्चों को किताब, सायकिल और पैसे भी दे रहा है, जिंदल ने बहुत विकास किया है, गांव के लोग भी विकास कर रहे हैं, इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
62. मरियम भगत, कुंजेमुरा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
63. दशरथ राठिया, बांधापाली – जिदल के आने से बहुत विकास हुआ है और होता रहेगा इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
64. पंचराम राठिया, बांधापाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
65. रामचरण, बांधापाली – कंपनी के आने से बहुत विकास हुआ है, और बहुत लाभ भी हुआ है, गांव में बोर और टंकी का निर्माण किया है। इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
66. मिनकेतन विश्वकर्मा, बांधापाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
67. जगेन्दर राम राठिया, बांधापाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
68. अलख राम, बांधापाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
69. ताराचंद राणा, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
70. रतन कुमार, बांधापाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
71. ओमप्रकाश राठिया,बांधापाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।

72. चन्द्रहास राठिया , बांसनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
73. सुभाष सिदार, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
74. बसन्त चौहान, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
75. भोज कुमार राणा, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
76. सुनील राणा, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
77. अमन सिदार, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
78. अनिल राणा, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
79. लक्ष्मण, महलोई– मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
80. भगवती गुप्ता, महलोई – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
81. यसपाल बेहरा, धौराभांठा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
82. शिवानंद निषाद, महलोई – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
83. अनिल कुमार गुप्ता, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं। क्योंकि जिंदल के द्वारा विकास की गंगा बहा दिया गया है, कुछ रोज पहले यहॉ के गरीब लकड़ी काटकर अपना जीवन यापन करते थे, लेकिन आज लोगों को रोजगार मिल गया है।
84. शरद खम्हारी, धौराभांठा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
85. इन्द्रा कुमार, कुंजेमुरा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
86. विद्यावती केरकेट्टा, पाता – जिंदल के आने से शिक्षा, कृषि और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास हुआ है इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
87. कुमारी दिप्ती, राबो – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
88. कुमारी कांती,बिलासखार – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
89. सुनीता, बुड़िया – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
90. घसनिन सिदार, बुड़िया – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
91. कुमारी कांति यादव, आमगांव – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं। जिंदल द्वारा हमारे क्षेत्र में पेय जल से लेकर, स्वास्थ्य और शिक्षा और सड़क में बहुत योगदान है, पेयजल के लिये बहुत दिक्कत होती थी, महिलाओं को एक हैण्डपंप में लाईन लगाकर पानी भरना पड़ता था, जिंदल के द्वारा तालाबों को गहरा कराया गया है, गर्मी के दिनों में नहाने के लिये पानी नहीं मिलता था आज तालाब का निर्माण किया गया है, धौराभांठा तक के रोड का निर्माण किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में विकास किया है, अगर एक्सीडेंट हो जाये तो एक फोन कर दें 10 मिनट में चिकित्सा सुविधा वहॉ से मिल जाती है। इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
92. प्रेमशीला गुप्ता, झाराडीह– जिंदल के आने से पूरे क्षेत्र का विकास हो रहा है, स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे ही कार्य आगे भी होते रहेंगे। इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
93. शोभा देवती, धौराभांठा – स्कूल, सड़क आदि बनाया गया है, इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
94. द्रोपती गुप्ता, रायपारा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
95. मेरीतिस तिग्गा, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
96. कुमारी बसंती कुजूर, लिबरा – विकास के कार्य को देखते हुए मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।

97. कौशल्या, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
98. फूलमती पटेल, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
99. रुपाबाई, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
100. ओम प्रकाश बेहरा, लिबरा – जिंदल के कार्य प्रशंसनीय हैं, इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
101. अमित कुमार झा, धौराभांठा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
102. गुड्डा यादव, धौराभाठा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
103. गजानंद साहू, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
104. हेम सागर सिदार, धौराभांठा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
105. विश्वनाथ बेहरा, धौराभांठा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
106. हिमांशु सतपथी, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
107. नंद कुमार तिर्की,कुंजेमुरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
108. उमेश सतपथी, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
109. दुकालू सोनी, हमीरपुर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
110. बोधमती, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
111. रेमती, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
112. सुभाषनी गुप्ता, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
113. चंपाबाई बैरागी, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
114. चितकुंवर, करवाही – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
115. मनकुंवर बाई, करवाही – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
116. जमुना सिदार, करवाही – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
117. विमला जोल्हे, पार्षद, घरघोड़ा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं। जिंदल के द्वारा सभी समस्याओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेता है।
118. बुधियारीन, घरघोड़ा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
119. बसंती, घरघोड़ा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
120. कुसुम, घरघोड़ा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
121. जयंती, घरघोड़ा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
122. संवरी बाई, घरघोड़ा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
123. फूलबाई, घरघोड़ा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
124. टेकनाथ, कटरापाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
125. राजू यादव, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
126. गोपाल पटनायक, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
127. संजय भगत, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
128. सोमनाथ पैंकरा, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
129. शैलेन्द्र सिंह पैंकरा, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
130. घासीराम पटेल, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
131. हिमांशु साहु, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
132. नरेश भगत, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
133. कैलाश कुमार सारथी, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
134. जगदीश प्रसाद, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
135. गुलाब राम साव, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।

136. वासुदेव साव, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
137. अहिल्या बाई लहरे, घरघोड़ा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
138. फूलबाई, घरघोड़ा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
139. श्याम बाई, घरघोड़ा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
140. विमला नायक, करवाही – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ। क्योंकि इसके आने से बेरोजगारों को रोजगार मिला है। स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र में विकास हुआ है, स्कूलों का बाउण्ड्रीवाल हुआ है। सर्वांगीण विकास हुआ है।
141. तिलोत्तमा पटनायक, करवाही – जिंदल के आने से सभी क्षेत्र में विकास हुआ है।
142. कुमारी निर्मला राठिया, करवाही – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
143. मोहरमती, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
144. श्रीमती लीला गुप्ता, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ। यहाँ गांव गांव में हरेक सी. एस. आर. विभाग है, वहाँ से विकास के कार्य किये जाते है। शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम कर रहे है, जो गरीब है, अपना ईलाज नहीं करवा सकते उनका ईलाज करवाया जाता है। आप भी जिंदल को समझे और विकास के क्षेत्र में साथ दें, जब हम लोग पढ़ते थे, उस समय सड़क नहीं था, नाला नहीं था, आज जिंदल के द्वारा सड़क का निर्माण किया गया है। मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
145. मुनुदाई, आमगांव – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
146. विद्यावती सिदार, आमगांव – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
147. दुलारी बाई, आमगांव – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
148. सुकांति, आमगांव – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
149. फूलमति, पंच, धौराभांठा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
150. ललिता,बुड़िया – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
151. बसमती, बुड़िया – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
152. छत्रपाल पटेल, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
153. रामकुमार साहू, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
154. दुर्गाधर राठिया, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
155. जयपाल यादव, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
156. छेदूलाल चौहान, पतरापाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
157. मनबोध अघरिया, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
158. गौरीशंकर चौबे, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
159. खगेश्वर चौहान, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
160. सुनील कुमार सिदार, डोंगामहुआ – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
161. कमल प्रसाद पटेल, डोंगामहुआ – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
162. दिनेश कुमार, कटरापाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
163. भीम चौहान, कटरापाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
164. प्रशांत कुमार शर्मा, चितवाही – जो कोल वॉशरी का विस्तार है उसका मैं समर्थन करता हूँ। जिंदल पूरे समाज और संगठन को आगे बढ़ाते हुए

हमेशा तत्पर रहा है। मैं चाहूंगा कि जिंदल कोल माईन हमेशा आगे बढ़े और लोग उसका हमेशा गुणगान करते रहें।

165. मोहित राम सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
166. विजय कुमार साहू, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
167. देवेन्द्र कुमार शर्मा, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
168. पिछारु राम सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
169. जयमंती यादव, झिंगाबहाल – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
170. विमला सिदार, करवाही – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
171. सुकमती राठिया, करवाही – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
172. लक्ष्मी सिदार, करवाही – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
173. भूमिका, करवाही – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
174. सावित्री सिदार, आमगांव – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
175. सुशीला बेहरा, आमगांव – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
176. फरीन बेगम, आमगांव – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
177. खीरमती नायक, आमगांव – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
178. शांति राठिया, आमगांव – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
179. नानदाई, धौराभांठा – मैं गरीब हूँ।
180. खीरमत चौहान, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
181. फूलमती, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
182. बुधवारो, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
183. सुमित्रा बाई, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
184. विमला बाई, जांजगीर –
185. भागवती, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
186. शान्ति, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
187. सुकमती, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
188. हेमवती, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
189. उज्जलमती, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
190. शकुन्तला, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
191. लीलावती, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
192. जानकी यादव, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
193. पुनामी, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
194. रुकमेत, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
195. निर्मल कुमार साव, चितवाही –जिंदल के सामाजिक क्षेत्र और गरीबों के प्रति कार्य करने के कारण मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
196. जयप्रकाश, चितवाही – मैं जिंदल के विस्तार का समर्थन करता हूँ।
197. नित्याराम सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
198. विकास कुमार शर्मा, चितवाही – हमारे क्षेत्र में काफी विकास के कार्य किये गये हैं और आगे भी किये जायेंगे यही आशा करते हुए मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
199. घनश्याम साहू, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।

200. कुमारी पूजा झा, बिहार – हम दस साल पहले आये थे, तो यहॉ कि स्थिति बहुत खराब भी, आज यहॉ बहुत सारी सुविधा मिल रही है इसलिये मैं मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
201. गंगा, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
202. धनवन्तरी सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
203. देवचरण सिदार, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
204. धर्मेन्द्र कुमार साहू, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
205. मिनकेतन अघरिया, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
206. ओमप्रकाश सिदार, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
207. प्रेम सागर सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
208. तिलक राम, आमाघाट –आज जिंदल के आने से शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजय के क्षेत्र में विकास हुआ है, इसलिये जिंदल के विस्तार का मैं समर्थन करता हूॅं।
209. ज्ञानसागर, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
210. तुलाराम गुप्ता, सलिहाभांठा – मैं इस लोक सुनवाई के समर्थन में दो शब्द बोलना चाहूॅंगा, हमारे क्षेत्र में कोल माईन का आना बहुत सौभाग्य की बात है, क्योंकि भू संपदा का दोहन करना बहुत सुखद है क्योंकि हमारे तिजोरी में अगर पैसा रखा है तो उसका कोई मतलब नहीं है, भू संपदा का दोहन करना चाहिए, आज हमारे आर्थिक समस्या की पूर्ति कहॉ से होगी यह जरुरी है, आज हम कोई आयोजन करते हैं तो जिंदल में एक आवेदन कर देते हैं और हमें सुविधा मिल जाती है, हमें पेयजय की सुविधा मिल रही है, शासकीय स्कूलों में अपने तरफ से शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। जिससे शिक्षा का विकास हो रहा है, इसलिये मैं इस कोल माईन और कोल वॉशरी का तहेदिल से समर्थन करता हूॅं।
211. छत्रपाल सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
212. मोहन लाल साव, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
213. चैतराम, रेगांव – मैं जिंदल पॉवर लिमिटेड के कोल माईन के विस्तार का समर्थन करता हूॅं। जिंदल पॉवर लिमिटेड के द्वारा जो तमनार विकासखण्ड के जो गोदग्राम हैं उनमें शिक्षकों की व्यवस्था की गई है। सामाजिक शिक्षा के क्षेत्र में विकास हुआ है। गांव में स्वास्थ्य के लिये मेडिकल चेकअप किया जाता है, जिसकी मुनादी करा दी जाती है और गांव के गरीब लोग उसका लाभ उठाते हैं, जिंदल के कर्मचारियों ने किसानों को नई पद्धति से धान की खेती कराई है, जिससे उत्पादन बढ़ा है। गांव में महिला समूह, बाल समूह बनाया है, बकरी पालन, गांय पालन और सुअर पालन का कार्य कराया जा रहा है, जिंदल के द्वारा जो कार्य कराया जा रहा है वह सराहनीय है। इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
214. रमेश सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।

215. दीपक कुमार सोनी, हमीरपुर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ। मैं जिंदल से अनुरोध करता हूॅ कि दूर के गांवों में भी ध्यान दें, जिससे तमनार क्षेत्र का विकास हो।
216. लक्ष्मण, हमीरपुर – जिंदल के द्वारा यहॉ आकर भूखी दुखी लोगों के लिये बहुत काम किया गया है। इसलिये मैं जिंदल को प्रणाम कर रहा हूॅ।
217. कलपराम घांसी, मेंडरा (उड़ीसा) – मैं सब को प्रणाम करता हूॅ।
218. श्याम, हमीरपुर –
219. प्रफुल्ल कुमार सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
220. सुभाष कुमार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
221. चन्द्रमणी सिदार, चितवाही – मैं जिंदल के कोल माईन और कोल वॉशरी का समर्थन करता हूॅ।
222. प्रदेश कुमार सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
223. हरिराम गुप्ता, चितवाही – स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र में जिंदल के सहभागिता के कारण मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
224. युधिष्ठिर साव, हमीरपुर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
225. अशोक सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
226. दुलामणी सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
227. नित्यानंद, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
228. उरानंद सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
229. सोनुराम, हमीरपुर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
230. फकीर मोहन साव, चितवाही – जिंदल के विकास के बारे में सब बता चुके हैं,जिंदल के आने से सर्वांगीण विकास हुआ है। इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
231. गंगावती,रायपारा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
232. सुशीला, रायपारा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
233. तेजमती, रायपारा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
234. हेमवती, रायपारा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
235. तुलसी पटेल, रायपारा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
236. रुकमणी पटेल, रायपारा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
237. राधा गुप्ता, रायपारा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
238. सरस्वती गुप्ता, रायपारा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
239. भगवती गुप्ता, रायपारा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
240. सिन्धु गुप्ता, रायपारा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
241. इन्दु, रायपारा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
242. जहरमती, रायपारा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
243. उर्वशी सिदार, रायपारा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
244. देवमती बाई, झिंकाबहाल – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
245. सुशीला पटनायक, रायपारा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
246. गीता, झिंकाबहाल – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
247. फूलमणी नायक, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅ।

248. लीलावती राठिया, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
249. हीराबाई, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
250. रुपवती बाई, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
251. रुकमणी राठिया, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
252. रामशरण, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
253. मंगलू सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
254. निर्मल सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
255. गंगा सेवक सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
256. सूरज सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
257. संजय कुमार सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
258. देवानंद सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
259. प्रफुल्ल सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
260. रामलाल राठिया, कचकोबा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं। क्योंकि हमारे गांव में जिंदल के द्वारा विकास कार्य में लगभग 20 लाख रुपये खर्च किया गया है। गांव के स्कूल में बाउण्ड्री वाल बनाया गया है। गांव में और भी अन्य विकास का कार्य किया गया है, गांव के लोग जो सायकल नहीं खरीद सकते थे आज मोटरसायकल में घूम रहे है।
261. उमेश कुमार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
262. सोभाराम, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
263. भागीरथी राठिया, सरपंच, कचकोबा – जिंदल के द्वारा हमारे गांव में शिक्षा के व्यवस्था की गई है, स्कूल बाउण्ड्री वाल का निर्माण किया गया है, पेड़ पौधें लगाने के लिये भी दिया जा रहा है, बोर खुदाई, तालाब गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। गांव के स्कूल में शिक्षकों की व्यवस्था की गई है। कृषि हेतु खाद और अन्य व्यवस्था की जाती है। इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
264. मोती सिदार, चितवाही – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
265. शिव प्रसाद यादव, कचकोबा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
266. ठंडाराम चौधरी, कचकोबा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
267. भूपदेव, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
268. रुकमणी, टांगरघाट –
269. सुलोचना, टांगरघाट –
270. छौरी बाई, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
271. विमला बाई, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
272. दिनमती राठिया, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
273. भागनीन, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
274. हेमवती, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
275. हीरा बाई, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
276. पूजा बाई राठिया, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
277. विमला चौधरी, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
278. कस्तुरी, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
279. कौशल्या सिदार, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।

280. देवरा, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
281. समारी बाई, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
282. रनमेत, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
283. जेमाबाई, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
284. सेतकुंवर बाई, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
285. लखनमती बाई, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
286. कौशल्या बाई, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
287. श्याम सोनी, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
288. रजनी, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
289. मालती बाई, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
290. ममता बाई, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
291. रथिया, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
292. बुधनि बाई, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
293. जयंती गुप्ता, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
294. तुलामती निषाद, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
295. सुकमेत बाई, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करती हूॅं।
296. चमेली यादव, धौराभाठा – 10 के भाव में जमीन को लेने की बात हुई थी, साढे 5 के भाव से मिला है, पूरा पैसा नहीं दे रहा है।
297. चन्द्रिका, गारे –जिंदल को हटाना चाहती हूॅं।
298. सावित्री बाई, गारे – हम जिंदल को जमीन नहीं देंगे, हमारे बच्चे कहॉ जायेंगे। हमारे बच्चों को कौन पोसेगा।
299. दसमेत, गारे – जिंदल सब को चेप दे रहा है, हम क्या खायेंगे, मिट्टी या कोयला को।
300. सनकुंवर, गारे – जिंदल का विरोध करती हूॅं।
301. चन्दन बाई, गारे – जिंदल का विरोध करती हूॅं।
302. समरमती, गारे – जिंदल का विरोध करती हूॅं।
303. इन्द्रमती सिदार, गारे – जिंदल का विरोध करती हूॅं।
304. जानकी बाई, गारे – जिंदल का विरोध करती हूॅं।
305. दुलारी, गारे – जिंदल का विरोध करती हूॅं।
306. रजनी, गारे – विरोध कर रही हूॅं।
307. जानकी, गारे – जिंदल को हटाना चाहते हैं।
308. भगवती बाई, गारे – विरोध करती हूॅं।
309. अगासो,गारे – जिंदल का विरोध करती हूॅं।
310. मीना सिदार, गारे – जिंदल का विरोध करती हूॅं।
311. मनकुंवर, गारे – जिंदल का विरोध करती हूॅं।
312. सहोद्रा बाई, गारे – जिंदल का विरोध करती हूॅं।
313. लच्छु राम यादव, सरपंच, कचकोबा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
314. राजू चौहान, कचकोबा – हमारे गांव के मिडिल स्कूल के बाउण्ड्री वाल का निर्माण किया गया है, जब से जिंदल आया है, तब से विकास की गंगा बह रही है इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।

315. एतवार सिंह राठिया, कचकोबा –जिंदल के द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
316. बनवारी, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
317. जितेन्द्र कुमार, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
318. सुरेश चौहान, पंच, कचकोबा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
319. ईश्वर प्रसाद, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
320. गंगाधर राठिया, कचकोबा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
321. सदीलाल यादव, कचकोबा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
322. निर्मल कुमार, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
323. ईश्वर प्रसाद राठिया, कचकोबा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
324. चमरु राम यादव, कचकोबा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
325. रामेश्वर, बागबाड़ी – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
326. छबीराम, बागबाड़ी – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
327. सालिक राम, बागबाड़ी – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
328. मुकेश कुमार, धौराभांठा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
329. गोमती सिदार, सरपंच, लिबरा – मैं जिदल का विरोध करती हूँ।
330. रंगमती चौहान, लिबरा – जिंदल के द्वारा सरकारी जमीन है कहकर पैसा नहीं दे रहा है, इसलिये मैं उसका विरोध करती हूँ।
331. मनमेत, लिबरा – कोयला पानी मेरे डोली से जा रहा है, मेरे यहॉ कोई कमाईया नहीं है, मै कोयला पानी को रोक दूंगी, धान नहीं हो रहा है।
332. बुधाई बाई, लिबरा – थोड़–थोड़ा पैसा दिया है, हम क्या खायेंगे, कोयला पानी जा रहा है, धूल उड़ रहा है।
333. चमेली साहू, कसडोला – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
334. नानकुंवर, कसडोल – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
335. सावित्री, कसडोल – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
336. सरस्वती बाई, कसडोल – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
337. सहोद्री बाई, कसडोल – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
338. सुनीता साहू, कसडोल – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
339. रमला, लिबरा – मेरे डोली से काला पानी जा रहा है उसका क्या करें।
340. बूंदो, लिबरा – पानी काला हो जा रहा है धूल उड़ रहा है।
341. सुकान्ति बाई, लिबरा – खेत का थोड़ा पैसा दिया है, खेत में कोयला पानी जा रहा है मैं विरोध करने आई हूँ।
342. जगमती , लिबरा– मैं विरोध करने आई हूँ।
343. सुनील कुमार यादव , धौराभांठा – समर्थन करता हूँ।
344. खेम सागर चौहान, तपरंगा– समर्थन करता हूँ।
345. सुभंमराठिया , लमदरहा – हमारे रायगढ़ जिला में जिंदल के आने से विकास हुआ है। समर्थन करता हूँ।
346. रविराम यादव, कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
347. सीताराम राठिया, कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
348. जन्मजय राठिया, कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
349. भरतलाल राठिया , – समर्थन करता हूँ।

350. आनंद राम यादव – समर्थन करता हूँ।
351. गोपीराम , महलोई – समर्थन करता हूँ।
352. मनोज राइिया , कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
353. राजकुमार , कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
354. ललीत कुमार, कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
355. श्याम लाल , कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
356. विनोद , कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
357. श्यामदेव राइिया, महलोई – समर्थन करता हूँ।
358. मनोज , कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
359. शिवलाल राठिया , कचाकेबा – समर्थन करता हूँ।
360. रमाशंकर , कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
361. दिनेश राव , कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
362. रामेश्वर , कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
363. दशरत दास , कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
364. ठंडाराम , झर्रा – समर्थन करता हूँ।
365. प्रताप सिंह , – समर्थन करता हूँ।
366. प्रताप कुमार, धौराभांठा – समर्थन करता हूँ।
367. रविराम चौहान , कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
368. धनेश राम राइिया – समर्थन करता हूँ।
369. भानुप्रताप राइिया , लमदरहा – समर्थन करता हूँ।
370. गोपाल प्रसाद राठिया , लमदरहा – समर्थन करता हूँ।
371. दयानंद बेहरा, धौराभांठा – पैसा नही मिला।
372. मदन चौहान,राबो – समर्थन करता हूँ।
373. पद्मा रात्रे,लिबरा– विरोध करती हूँ।
374. कनकुवंर , लिवरा– विरोध करती हूँ।
375. धनमती , लिबरा– विरोध करती हूँ।
376. भगवती , लिबरा– विरोध करती हूँ।
377. रामप्यारी, लिबरा – विरोध करती हूँ।
378. कांति, लिबरा – विरोध करती हूँ।
379. कमला चौधर ,कोमसपाली– कम दाम में जमीन ले लेते है। कोसमपाली के जमीन का रेट कम है। विरोध करती हूँ।
380. पद्मा बाई, देलारी – विरोध करती हूँ।
381. दीपकुमारी, घौराभांठा – विरोध करती हूँ।
382. रामकुमारी ,धौराभाठा – विरोध करती हूँ।
383. गुरवारी , धौराभांठा – विरोध करती हूँ।
384. केवरा बाई, कोसमपाली – विरोध करती हूँ।
385. धनश्याम , कोसमपाली – विरोध करती हूँ।
386. उत्तरा, कोसमपाली– पानी नही मिल रह है। विरोध करती हूँ।
387. ननकी , कोसमपाली– विरोध करती हूँ।
388. सोनामती ,बरतमाल– विरोध करती हूँ।
389. गौटहिन ,कोसमपाली– विरोध करती हूँ।

390. फुलवती, कोसमपाली– विरोध करती हूँ।
391. राजकुमारी,धौराभांठा – कोयला पानी जा रहा है। विरोध करती हूँ।
392. गुलापी , कोसमपाली – विरोध करती हूँ।
393. केशरबाई ,कोसमपाली– विरोध करती हूँ।
394. पद्मा , सारसमाल – विरोध करती हूँ।
395. कुतींला , जांजगीर – जिस भाव में जमीन दे रहे उसी भाव में हमे भी दे। विरोध करती हूँ।
396. बलदेवदास , गुड़गुड़ – जिंदल के संमर्थन कर रहे हैं उसका अभिनंदन है। यहां जब से जिंदल आया है जंगल में होने लगा है मंगल । इसी लिये जिंदल के हर कार्य का देता हूँ समर्थन ।
397. सुरेश कुमार , कोसमपाली– समर्थन करता हूँ।
398. पूरनचंद , कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
399. विजय यादव , कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
400. विद्याधर, कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
401. दुखीराम , कचकोबा – जिंदल अच्छा काम कर रहा हैं जिंदल को नमस्कार । समर्थन करता हूँ।
402. लखन राठिया – समर्थन करता हूँ।
403. मंगलुराम राठिया , बालजोर – समर्थन करता हूँ।
404. हरिहर, कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
405. चमार सिंह , कचकोबा – पानी की समस्या है। समर्थन करता हूँ।
406. चैतराम राठिया, बालजोर – समर्थन करता हूँ।
407. जितेंद्र कोडकेल – समर्थन करता हूँ।
408. दुखीराम, कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
409. दहवलराम सोनी, कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
410. हेमसागर गुप्ता ,कचकोबा – समर्थन करता हूँ।
411. किरतराम साहू, कचकोबा – मेरे नाती के लिये मैं जिंदल से सहायता चाहता हूँ। समर्थन करता हूँ।
412. राकेश साहू, तमनार– समर्थन करता हूँ।
413. प्रेमसिंह चौहान, कोड़केल – समर्थन करता हूँ।
414. गौतम प्रसाद, कोड़केल – समर्थन करता हूँ।
415. उदय कुमार, – समर्थन करता हूँ।
416. मदन यादव, कोड़केल – समर्थन करता हूँ।
417. शत्रुघन चौहान , कोड़केल – समर्थन करता हूँ।
418. बलराम सिदार, कोड़केल – समर्थन करता हूँ।
419. नीरज कुमार पटेल, कोड़केल– जिंदल कोयला खत्म हो जायेगा तो क्या काम करेगा।
420. संतोष कुमार , बालजोर – समर्थन करता हूँ।
421. मधुसूघन, बालाजोर – समर्थन करता हूँ।
422. दीनबधु साहू, महलोई – समर्थन करता हूँ।
423. पप्पू कुमार साहू, महलोई – समर्थन करता हूँ।
424. कुंदन कुमार, महलोई – समर्थन करता हूँ।

425. राजू भगत, महलोई – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
426. पी. जी. चन्द्रा, जूनियर फोरमेन, छ.ग. खनिज विकास निगम – जिस क्षेत्र में कोल वॉशरी खोला जा रहा है, उस क्षेत्र में कोयला है, उस क्षेत्र में से कुछ क्षेत्र हमें आबंटित है। इसलिये हमारी आपत्ति है।
427. किशोर कुमार,महलोई– मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
428. पवन कुमार गुप्ता, अमलीघोरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
429. सिवानंद प्रजा, बागबाड़ी – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
430. परमानंद प्रजा, महलोई – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
431. दिलीप कुमार पटेल, महलोई – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
432. भगवती साव, महलोई – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
433. सिन्धु राठिया, खुरुसलेंगा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
434. गोपू टोप्पो, खुरुसलेंगा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
435. ब्रम्हा,महलोई – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
436. पाण्डू लाल चौहान, महलोई – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
437. रमेश पाल, लोहाबहाल – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
438. बलराम चौधरी, गौरबहरी – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
439. महलूराम, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
440. रामकुमार कश्यक, खुरुसलेंगा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
441. रोहित, बिजना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
442. ऋषिकेशन मालाकार, लमड़ांड – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
443. जगमती बाई, सारसमाल –
444. अनिता बाई, सारसमाल – हमारे जमीन को भूअर्जन हुआ, कम भाव में लिया है, वहीं भाव दिया जाये।
445. गनपति, कोसमपाली – हमारा घर भसक जा रहा है, इसलिये मैं जिंदल का विरोध करती हूॅ।
446. सोहनमती, खम्हरिया – केलो नदी गंदा हो रहा है इसलिये मैं विरोध करती हूॅ।
447. पुतुबाई, खम्हरिया – मेरे जमीन के लिये मैं जिंदल का विरोध करती हूॅ।
448. सनकुंवर, खम्हरिया – पानी के चलते मैं विरोध करती हूॅ।
449. सुक्रीता यादव, खम्हरिया –जिदल को नमस्ते कर रही हूॅ। लेकिन नाला मे जो पानी बह रहा है, वह काला हो गया है, गांव में सब पत्ता काला हो गया है। हम अपने जमीन में खुद कमायेंगे और खुद खायेंगे। किसी को नहीं देंगे।
450. बुढ़िया, कोसमपाली – विरोध करती हूॅ।
451. भगवती बाई, सारमाल –हमारा घर टूट रहा है, बारुद को कम नहीं किया जा रहा है, इसलिये मैं विरोध करती हूॅ।
452. उर्मिला,सारसमाल – मैं विरोध करती हूॅ।
453. घुरई, सारसमाल – भूअर्जन हुआ मेरे जमीन का सब पेड़ काट दिया गया है।
454. गुलाबी बाई, कोसमपाली – मैं जिंदल का विरोध करती हूॅ।
455. कुन्तिला सिदार, कुंजेमुरा – विरोध करती हूॅ।

456. वेदमती सिदार, कुंजेमुरा – विरोध करती हूॅ।
457. गौरी बाई, कुंजेमुरा – विरोध करती हूॅ।
458. वेदकुमारी सिदार, कुंजेमुरा – विरोध करती हूॅ।
459. गंगावती, सारसमाल –हमारा घर धसक जा रहा है,जिंदल को बारुद कम करने को कहते हैं, लेकिन नहीं मान रहा है, विरोध है।
460. गंगोई बाई, कुंजेमुरा –जिंदल का विरोध है।
461. भागवति बाई, कुंजेमुरा – विरोध करती हूॅ।
462. लक्ष्मी बाई, कोसमपाली – मेरा पूरा जमीन को ले लिया है। मैं विरोध करती हूॅ।
463. मंगलूसाव, खुरुसलेंगा – जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
464. रोहित सिदार, बिजना – जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
465. संतोष राठिया, खुरुसलेंगा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
466. अरुण प्रभात, गोपालपुर (उड़ीसा) – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
467. गनपत सिदार, कोड़केल – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
468. संजय, कोड़केल – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
469. तरुण कुमार, कोड़केल – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
470. नारायण यादव, कोड़केल – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
471. हरिशकर, देवगांव – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
472. लक्ष्मी सिदार, देवगांव – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
473. मनबोध, देवगांव – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
474. शिव कुमार साव, देवगांव – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
475. राम सिंह सिदार, कोड़केल – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
476. सुनील कुमार पटेल, झरना – जिंदल के द्वारा जो आश्रित गांव है, उनमें जो स्वास्थ्य की सुविधा दी गई है, उसमें गरीब परिवार के बच्चों का निशुल्क ईलाज कराया जाता है, बच्चों के लिये छात्रवृत्ति की सुविधा दी गई है, जो कार्य सरकार नहीं कर पाता उसको जिंदल विकास समिति के द्वारा किया जाता है। इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
477. रंजीत सिंदार, देवगांव – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
478. प्रियताराम यादव, देवगांव – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
479. फिरतु राम साव, देवगांव – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
480. धोबीराम साव, देवगांव – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
481. बालकराम, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
482. गुलापी, कोसमपाली – जिंदल का विरोध है।
483. प्रमिला, कोसमपाली – जिंदल का विरोध है।
484. साधीन यादव, कोसमपाली – मैं विकलांग हूॅ। मुझे नौकरी दी जाये।
485. पदमा, लिबरा – हम जहा नहाते हैं, वहां कोयला पानी जाता है, इसलिये मैं इसका विरोध करती हूॅ।
486. लक्ष्मीन, लिबरा – खेत में काला पानी जा रहा है, इसलिये मैं विरोध करती हूॅ।
487. कमला, लिबरा – जिंदल का विरोध करती हूॅ।

488. देवमती राठिया,लिबरा – हमारे कुंआ तालाब का पानी काला हो जा रहा है।
489. महिमा , लिबरा – घर धसक जा रहा है, मैं विरोध करती हूॅं।
490. बबिता, कोसमपाली – बाहर के आदमी को काम में रखेगा और गांव के आदमी को नहीं रखेंगे तो ठीक नही होगा। गांव के आदमियों को ही काम में रखें, नहीं तो हम लोग विरोध करेंगे।
491. अमृत लाल राठिया, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
492. चंदन सिंह, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
493. चतुर्भुज सिंह, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
494. संतोष कुमार, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
495. जोगीराम, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
496. रंजीत राम, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
497. दयासागर गुप्ता, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
498. सीताराम पटेल, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
499. अनिल कुमार साव, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
500. संतराम गुप्ता, केनापारा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
501. हीरामणी राठिया, देवगांव – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
502. पदमलोचन प्रधान, देवगांव – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
503. बाबूलाल पटेल, देवगांव – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
504. भरत लाल, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं। केलो नदी में कोयला पानी नहीं गिरना चाहिए।
505. मनोज पटेल, सलिहाभांठा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
506. जवाहर सिदार,झरना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
507. विजय शंकर, तमनार – केलो नदी में हमेशा कोयला पानी बहता है, जिंदल से अनुरोध है कि कोयला पानी नहीं छोड़े –
508. रुपचंद गुप्ता, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
509. रामसिंह डनसेना, तमनार – कोयला पानी आने से नहाने में तकलीफ हो रहा है। मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
510. जय सिंह सिदार, तमनार – हम लोग नौकरी के लिये जाते हैं तो हमको कल आना कहते हैं ऐसा क्यों होता है?
511. राजेन्द्र प्रसाद डनसेना, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं। लेकिन केलो में जो गंदा पानी जा रहा है उसे रोके।
512. गौतम निषाद, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
513. रविन्द्र धोबा, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
514. राजेश कुमार यादव, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
515. बाबूलाल, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
516. टिकेश्वर सिदार, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं। हमारे जो भाई नौकरी मांगते हैं, उनको नहीं दे रहा है, हमारे पब्लिक को नौकरी मिलना चाहिए, मैं जिंदल का आभारी हूॅं।
517. ज्ञानूराम, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
518. जगतराम,तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।

519. सहसमराम, जांजगीर – मैं जिंदल का विरोध करता हूॅं।
520. श्याम सुन्दर चौधरी, लिबरा – लिबरा में मेरा जमीन है, उसमें कोल माईन का पानी मेरे खेत में गिरता है, उसका मैने आवेदन दिया है, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं होता है। काला पानी जम जाने के कारण फसल नहीं होता है। खेती करते नहीं बन रहा है अतः मुआवजा राशि दिलवाया जाये। मैं जिंदल का विरोध करता हूॅं।
521. करम सिंह भगत, सारसमाल – मेरे नाम से भू–अर्जन किया गया है, मेरे को नौकरी नहीं दिया गया है, और बाकी जमीन में डस्ट भरा हुआ है, उसका मुआवजा मांगने से नहीं दिया जाता है। विस्फोट से घर में क्रेक हो गया है, अगर पुर्नवास की व्यवस्था नहीं की जाती है, तो हमारा गांव में अब आखरी समय है। पर्यावरण हमारे गांव में बहुत वायु जल और ध्वनि प्रदूषण हो रहा है, छत गंदा हो गया है, बारिस होने पर गंदा पानी गिरता है।
522. खगेश्वर चौहान, टांगाघाट – मेरे चौकीदारी जमीन को भी ले लिया गया है, और चौकीदारी भी हटा दिया गया है।
523. फूलमति, सारसमाल – समर्थन करती हूॅं।
524. पुष्पा, साररमाल – मैं जिंदल का विरोध करती हूॅं।
525. मुक्ता बाई सिदार, कोसमपाली – मेरा जमीन को ले लिया है। मैं जिंदल का विरोध करती हूॅं।
526. गुलापी बाई, कोसमपाली – मैं जिंदल का विरोध करती हूॅं।
527. फूलमती बाई, कोसमपाली – मैं जिंदल का विरोध करती हूॅं।
528. सविता रथ, जन चेतना, रायगढ़ – आज की इस जन सुनवाई का मैं निम्न बिन्दुओं के साथ विरोध करती हूॅं। आज की जन सुनवाई केन्द्र सरकार की अधिसूचना के अनुसार नहीं कराई जा रही है, इसका अधिकार राज्य सरकार को नहीं है। यह हाथी प्रभावित क्षेत्र है, इस क्षेत्र में उद्योग नहीं लगाया जा सकता, इस क्षेत्र में हाथी के अलावा अन्य कई भालू व अन्य जानवर है, इसका उल्लेख ई. आई. ए. में नहीं है, जंगली संसाधन महुआ, चिरोंजी व अन्य प्रभावित हो रहे है, इतने सारे उद्योग खुलने के बाद भी स्थानीय लोगों को रोजगार क्यों नहीं दिया जा रहा है? पूर्व में जिंदल उद्योग इस क्षेत्र में लगा है, लेकिन यहॉ के स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं दिया गया है, केवल ठेकेदारों के माध्यम से कार्य कराया जा रहा है। उनका बीमा भी नहीं कराया जाता है, जो मानवाधिकार का हनन है। लोगों को सहीं मेहनताना भी नहीं दिया जाता है। महिलाओं के लिये कोई नीति नहीं बनाई गई है, महिलाओं को रोजगार का 50 प्रतिशत देने की कोई जानकारी ई. आई. ए. में नहीं दी गई है। महिलाओं की सुरक्षा की व्यवस्था की कोई व्यवस्था नहीं की गई। सरकार की ओर से महिला थाना का निर्माण भी नहीं किया गया है, रायगढ़ जिले में इतना बलात्कार, छेड़छाड़ हो रहा है, लेकिन रायगढ़ क्षेत्र में आज तक महिला थाना नहीं खोला गया है। महिलाओं को विस्थापन के पूर्व लोगों के पूर्नवास की व्यवस्था हो जहॉ खेलकुल और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हों। उपरोक्त क्षेत्र से उड़ीसा क्षेत्र

8–10 किलो मीटर दूरी पर है। उड़ीसा के 10–20 गांव इस परियोजना से प्रभावित होंगे, लेकिन उनको किसी प्रकार की जानकारी नहीं दी गई है। इन गांव के लोग भी प्रभावित होंगे। हरियाणा पुर्नवास नीति को लागू किया जाना चाहिए। आज दिनांक 23.10.2010 के जन सुनवाई को निरस्त करने की मांग करती हूॅ।

529. पदमावति, जांजगीर – हम पढ़े–लिखे नहीं है, हमारे खेत में काला पानी जा रहा है उनका पानी पझर रहा है, उसी पानी को पी रहे हैं। उसको रोका जाये।
530. विमला, जांजगीर – जिंदल नहीं था तो अच्छा था।
531. सुशीला बाई, नागरामुड़ा – गांव को गोदनामा लिया है तो क्या सुविधा किया है, कोई सुविधा नहीं दिया है, हम कहॉ रहेंगे, गांव में धान, चावल नहीं हो रहा है।
532. कांति बाई, नागरमुड़ा – पीने के पानी की असुविधा है।
533. सुकमति, डोंगामहुआ – हमको कोई नौकरी नहीं दिया है, हमारे बच्चों को नौकरी दे, हम समर्थन करते हैं।
534. माधव राम गुप्ता, बिजना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
535. राम पटनायक,महलोई– जिंदल के आने से रायगढ़ ही नहीं छ.ग. का नाम हुआ है, जिंदल के आने से तमनार का विकास होता रहेगा।
536. अनिल पटनायक, महलोई – जिंदल के आने से कई लोगों को रोजगार मिला है, और जिनको नहीं मिला है उनको दिया जाये।
537. राजेन्द्र, बिजना – मेरे गांव के तालाब को गहरीकरण किया है इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
538. गोपाल गुप्ता, बिजना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
539. ध्रुवलाल गुप्ता, बिजना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
540. वृंदावन बेहरा, बिजना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
541. हिरण गुप्ता, बिजना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
542. राम कुमार प्रधान, धौराभांठा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
543. रविशंकर गुप्ता, बिजना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
544. हरिराम, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
545. अशोक प्रधान, बिजना – जिंदल बहुत उन्नति किया है और नाम कमाया है, इस क्षेत्र में बहुत सारा पैसा आया है, हम पढ़े–लिखे हैं उसका हमें फायदा मिले। मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
546. साधराम गुप्ता, बिजना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
547. निरंजन, धौराभांठा – हमारे खेत में फसल नहीं हो रहा है, उसमें कुछ व्यवस्था किया जाये, हमारे घर में क्रेक हो जा रहा है, उसकी व्यवस्था की जाये।
548. जगत राम गुप्ता, बिजना – हमारे गांव में 18एकड़ का तालाब बनााया गया है मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
549. लेखराम गुप्ता, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
550. लव गुप्ता, गोढ़ी – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
551. बसंत राठिया, खुरुसलेंगा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।

552. प्रेमसागर गुप्ता, खुरुसलेंगा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
553. बोधराम प्रधान, बिजना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
554. गिरधारी लाल निषाद, कुंजेमुरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
555. उपेन्द्र प्रधान, बिजना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
556. कमल सिंह सिदार, कुंजेमुरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ। जो नहीं कर रहा है, वह पहले इस क्षेत्र को नहीं देखा है।
557. कुश गुप्ता, बिजना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
558. राजू बेहरा, गोढ़ी – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
559. शान्ति साव, धौराभांठा – हमारे गांव के घर की दिवार क्रेक हो गया है उसको बनवाया जाये।
560. सावित्री, धौराभांठा – ब्लास्टिंग से खपरा गिरता है।
561. सुशीला, झरना – मैं समर्थन करती हूँ।
562. कुसुमशीला, झरना – समर्थन करती हूँ।
563. लीलावति, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
564. बिजली देवांगन, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
565. रुपाई यादव, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
566. शान्ती बाई, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
567. विशाखा, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
568. गुरबारी बाई, झरना – विरोध करती हूँ।
569. मीरा बाई, झरना – मैं जिंदल का विरोध करती हूँ।
570. रमोला बाई, बुड़िया – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
571. सुमित्रा बाई, बुड़िया – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
572. पार्वती खम्हारी, धौराभांठा – मेरे दो बेटे थे, जिंदल कें ब्लास्टिंग में एक बेटा खत्म हो गया, मेरा बेटा जाकर थक गया, लेकिन उसे नौकरी नहीं दिया गया। पांच लाख मुझे दिया जाये।
573. शिवमति, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
574. जयमती, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
575. अहिल्या, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
576. मोंगरा बाई, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
577. रथमति बाई, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करती हूँ।
578. प्रफुल्ल कुमार, बिजना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
579. विष्णु प्रसाद, धौराभांठा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
580. जगमोहन, धौराभांठा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
581. फकीर गुप्ता, आमगांव – जिंदल का स्वागत करता हूँ।
582. पार्वती, झरना – मेरे आदमी को लकवा मार दिया है उसका ईलाज कराया जाये।
583. हीरालाल, जांजगीर – विकलांग है सहायता चाहिए।
584. भूपदेव राठिया, जोगरो – हमारे यहाॅ प्लांट आ रहा है लेकिन जमीन का दाम कम है।
585. सुभाष गुप्ता, बिजना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।

586. चूड़ामणी राठिया, झींकाबहाल – मैं कुछ बिन्दुओं पर बात करना चाहता हूँ, इस क्षेत्र में इतना अधिक प्रदूषण फैल गया है, कि गांव में बहुत अधिक टी.बी. फैल रहा है। किसानों के जमीनों को मूल्य में असामानता है, पानी के मोल में जमीन को खरीदा गया है, इसकी कोई नीति स्पष्ट नहीं था, आज जनता 100 रुपये लेकर समर्थन करने आ गये हैं। कंपनी अपना व्यापार करने आया है, इस क्षेत्र का शोषण कर लेगा, और चला जायेगा। जितना काम किया जाना चाहिए नहीं किया गया है, केवल एक प्रतिशत विकास किया गया है। केवल अपना विकास किया जा रहा है। कंपनी अपने खामियों को दूर करे, तभी यहॉ कुछ हो पायेगा, कंपनी हर गांव में जो शिक्षा के नाम पर शिक्षक दिया है, वह हर गांव में जासूसी करा रहा है, सरकार केवल कंपनी के भरोसे में न टिके रहे, सरकार स्वयं कुछ करे, मैं कंपनी की नीति का विरोध करता हूँ।
587. धनेश्वर पटेल ,डोंगामौहा– जमीन को ठग –ठग के ले गये है। विरोध करता हूँ।
588. निर्मल, जांजगीर – समर्थन करता हूँ।
589. जितेन्द्र पटनायक , – हमारे गांव में जिंदल का बहुत बड़ा योगदान होता है। और जिंदल उन सभ्यता को नही भुला है। आज परिवार के सभी सदस्य काम कर रहे है। समर्थन करता हूँ।
590. सुखसागर पटनायक , तमनार – तमनार में जिंदल ने 9,00,000 रूपये देकर जान बचाई । इसलिये में जिंदल का समर्थन करता हूँ।
591. मनोज कुमार, डोलसरा – आप लीजिये पर पब्लिक को दीजिए। हम लेगें और कुछ न करें ऐसा नही है। क्षेत्र को खा जाओ।
592. रवि सागर , तमनार – आज ड्रायवर की संख्या 12 हजार से अधिक हो चुके है। पहले सिर्फ 50 थे।
593. महेश स्वर्णकार, खुरूसलेंगा – मैं जिंदल का बहिष्कार करता हूँ। एक बछिया को ट्रक ने रौंद दिया और अंग्रेज को भारत वाले ने जैसा भगाया था उसी तरह हम गांव वाले जिंदल को भगा देंगें ।
594. फूलसिंह, खुरूसलेंगा – जिंदल का विरोध करता हूँ। इस खदान के कारण अपराध बढ़ रहा है। दुर्धटना बढ़ रहा है। उद्योग द्वारा हमारी जमीन को जबरजस्ती ले रहे है। पढ़ कर सुनाया गया।
595. घासीराम , तिलाईपारा, – बोर में टंकी बनाया जाये , मंदिर बनाया जायें। अन्दर का रोड बनाया जायें।
596. हरिहर पटेल, गारे – पर्यावरण दूषित हो चूका है और जितना दूषित होता जा रहा है। इस सब को देखते हुए मैं इसका विरोध करता हूँ । केलो नदी में कोयला पानी जा रहा जिसके कारण वहा का पानी आज पशु–पक्षी तक नही पी पा रहा हैं। खेतो में धान खराब होते जा रहा है। इस प्रकार यहां विकास नही विनाश होते जा रहा है। इस सब को देखते हुए मैं जिंदल का विरोध करता हूँ।
597. जयंत बहिदार, संघर्ष मोचा, रायगढ़ – लोक सुनवाई के लिये पर्यावरण संरक्षण के अधिसूचना 14 सितंबर 2006 के अनुसार लोक सुनवाई स्थल

पर प्रत्येक व्यक्ति को परियोजना प्रशासक से प्रश्न पुछने का हक है, इसलिये मैं एक समाजिक कार्यकर्ता के रुप में परियोजना के प्रतिनिधि से सवाल करना चाहता हूँ। कृपया उन्हें सामने बुलाया जाये। अधिसूचना में यह स्पष्ट उल्लेख है कि परियोजना के प्रतिनिधि से प्रत्येक व्यक्ति को जानकारी लेने का अधिकार है और वह बाध्य है। नोटिफिकेशन में यह लिखा है, पर्यावरण अधिकारी गलत जानकारी दे रहा है। हमें प्रश्न पुछने का अधिकार है। मै परियोजना प्रतिनिधि से जानकारी पुछना चाहता था, लेकिन मुझे प्रश्न पूछने नहीं दिया गया। यह जन सुनवाई निष्क्ष नहीं है, इस जन सुनवाई में पक्षपातपूर्ण कार्यवाही की जा रही है। जिंदल का एक पक्षीय समर्थन किया जा रहा है। पीठासीन अधिकारी जन सुनवाई को शान्तिपूर्ण कराने में सक्षम नहीं है, उनको पद छोड़ देना चाहिए। पूरा पुलिस प्रशासन सक्षम नहीं है। 800 पुलिस वाले क्या काम के हैं, शान्ति नहीं बना पा रहे हैं, जिंदल उद्योग के साथ प्रशासन की मिलीभगत है, जो उद्योग के विरुद्ध बोलेगा उसे बोलने नहीं दिया जा रहा है। ई. आई. ए. रिपोर्ट में यह भी उल्लेखित है, कि कोई भी परियोजना कोई भी उद्योग की स्थापना उसका विस्तार या तकनीकी परिवर्तन तमाम बातों के लिये पहले पर्यावरणीय स्वीकृति अनिवार्य है, जब जिंदल के इस 4/2 और 4/3 के लिये अनुमति भारत सरकार ने प्रदान किया उस समय उसे कोल वॉशरी हेतु अनुमति नहीं दी गई थी। रायगढ़ का पर्यावरण विभाग, लोक सुनवाई करवाने में अक्षम है सक्षम नहीं है। पुलिस प्रशासन शान्ति बनाये रखने में अक्षम हैं। यह लोक सुनवाई अभी समाप्त कर देनी चाहिए। उद्योगों के इस लोक सुनवाई में हमारे पुलिस बल बहुत मेहनत करता है, लेकिन उनको मिलता क्या है ? अगर पुलिस न हो तो हमको जन सुनवाई में आने का भी मौका नहीं मिलेगा, जिंदल के गुंडे हमें मार डालेंगे। ई. आई. ए. रिपोर्ट में पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के बिना कोई भी परियोजना का आज विस्तार नहीं कर सकते, जिंदल कंपनी के द्वारा जो कोल वॉशरी प्रस्तावित किया गया है उसका निर्माण पूर्व में ही कर लिया गया है, मैंने स्वयं इसकी शिकायत 2007 में किया था, पर्यावरण विभाग के द्वारा उस समय उसको नोटिस दिया गया था।, हमारी शिकायत पर कलेक्टर महोदय ने जांच के आदेश दिया, पर्यावरण विभाग ने जांच किया और पाया कि कोल वॉशरी का निर्माण कर लिया गया है। जिंदल को पता चल गया कि जांच होगी, तो उसने कोल वॉशरी को बंद कर दिया 5 वर्ष से उस कोल वॉशरी से उत्पादन कार्य हो रहा है, कोल वॉशरी का प्रदूषित पानी खेतो में बह रहा है। गांव वालों ने शिकायत किया है, कोल वॉशरी का निर्माण अवैध है, जिसका निर्माण हो चुका है उसकी लोक सुनवाई कैसे ? ग्राम धौराभांठा के खसरा नं. 4/1 एवं 5/1 में निर्माण किया जा चुका है, इसकी जांच हमारे अधिकारियों द्वारा फिर से कर लेनी चाहिए, इसलिये यह जन सुनवाई अवैध है और इस परियोजना को अनुमति नही दी जाये। 4/2 और 4/3 में जो विस्तार करने की बात की गई है। दोनों ब्लाक में

कितना–कितना विस्तार किया जायेगा इसकी पृथक–पृथक जानकारी नहीं दी गई है। ई. आई. ए. फर्जी है और टी. ओ. आर. का पालन नहीं किया गया है।, जिंदल के परियोजना नहीं देने हेतु शासन को लिखा जाये। ग्राम देहजरी में भी हमको परियोजना प्रस्तावक से प्रश्न पुछने का मौका नहीं दिया गया और आज भी नहीं दिया गया, अंत में हमें परियोजना प्रशासक से प्रश्न पूछने का मौका दिया जायेगा। यह सम्पूर्ण क्षेत्र हाथी प्रभावित क्षेत्र है, माईन्स में जो ब्लास्टिंग की जाती है उससे घरों में दरार पड़ रहा है। हमारी आपत्ति इस परियोजना के विरोध में दर्ज की जाये।

598. मिलन सिदार, जांजगीर – जिंदल का स्वागत करता हूँ।
599. उग्रसेन चौधरी, धौराभांठा –जिंदल का विरोध करता हूँ।
600. सेतराम, गारे – मैं जिंदल का विरोध करता हूँ।
601. सुखदेव, गारे – मैं जिंदल का विरोध करता हूँ।
602. दिनेश सिदार, तमनार – – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
603. निरंजन चौहान, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
604. बबलू बेहरा, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
605. शिव कुमार , तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
606. शेख ताजीम, रायगढ़ – मैं अपनी मांगों को लिखित में देता हूँ और जिंदल का समर्थन करता हूँ।
607. विपिन बेहरा, झिंकाबहाल – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
608. अनिल कुमार देवांगन, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
609. सहदेव, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
610. कीर्तन सिंह यादव, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ। हमारे भारत देश के लिये जो स्व. ओम प्रकाश जिंदल का था, वैसा ही विचारधारा महात्मागांधी का था, जिस काम को छ.ग. सराकर के द्वारा नहीं कराया जा सका है उसको जिंदल के द्वारा कराया गया है। पहले बड़े–बड़े पत्थर सड़कों में थे, आज वह स्थिति नहीं है, इस गांव के और क्षेत्रवासी सुखी हैं, हमे जिंदल से कोई शिकायत नहीं है, मै जिंदल का समर्थन करता हूँ।
611. नान्हुराम, खम्हरिया – मैं जिंदल का विरोध करता हूँ।
612. मकरध्वज राठिया, सारसमाल – विरोध करता हूँ।
613. श्याम लाल पटेल, सारसमाल –जिंदल हमारा शोषण कर रहा है, हमारा जमीन को भू–अर्जन में ले लिया है, हम कंपनी को बंद करवाने गये तो हमको मारने दौडाया, विस्फोट के कारण हमारे गांव में दीवारों में दरार आता है। मैं जिंदल का विरोध करता हूँ।
614. हीरा यादव, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
615. परमानंद, तमनार – मेरा पूरा जमीन ले लिया है।
616. सुदामा पटनायक, महलोई – हम जिंदल का समर्थन करते हैं, हम रोजगार चाहते हैं।
617. हीराधर गुप्ता, महलोई – जिस दिन से जिंदल आया है हम लोग सुखी हैं। मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।

618. गंगा राम साहू, टपरंगा – जिंदल के द्वारा जो माईन्स का क्षमता विस्तार किया जा रहा है उसका मैं समर्थन करता हूँ।
619. घनश्याम पटेल, टपरंगा – जिंदल के द्वारा जो माईन्स का क्षमता विस्तार किया जा रहा है उसका मैं समर्थन करता हूँ।
620. चिंतामणी राठिया, कोसमपाली – जिंदल राक्षस के सामान है, जमीन को ठगकर ले लिया है, कोयला खदान खोला है । मैं जिंदल का विरोध करता हूँ।
621. शिवनंद गुप्ता, टपरंगा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
622. लम्बोदर सिदार, जांजगीर – बिना अनुमति मैं अपने जमीन में कुछ नहीं करने दूंगा, मेरे को मुआवजा दिया जाये नहीं तो मैं नहीं छोड़ूगा, इसलिये मैं जिंदल का विरोध करता हूँ।
623. दौलत, टपरंगा – मेरा जमीन कोल वॉशरी में गया , मेरे को नौकरी दूंगा बोला था, आज तक मुझे नौकरी नहीं दिया है।
624. रामवती, तुमीडीह– हमारे गांव में बीमारी फैल रहा है, जिंदल वाला हमको मारना चाहता है। हमारा पानी गंदा हो जाता है, नदी, नाला, गंदा हो जाता है। जिंदल का विरोध करती हूँ।
625. पुनीमति, तुमीडीह – हमको साधन नहीं हो रहा है हम क्या खायेंगे ?
626. तीजमती, तुमीडीह – हमको जाने का रास्ता नहीं है।
627. सनीरो, तुमीडीह – गरीब दुखी को जीने खाने नहीं दे रहा है, मैं जिंदल का विरोध करती हूँ।
628. बुधनी बाई, तुमीडीह – पानी काला हो जा रहा है, सब को घेर ले रहा है।
629. सुखसेन, झरना – मजदूर के जमीन को ठीक से ले। मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
630. नेहरुलाल साहू, कसडोल – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
631. गणेश राम, झरना – मेरा टपरंगा में 9 एकड़ जमीन था, उसको ले लिया और आज तक नौकरी नहीं दिया। जिंदल का विरोध है।
632. सुग्रीव, नागरमुड़ा – मैं गरीब आदमी हूँ, मेरे को वृद्धा पेंशन नहीं मिला है।
633. रतिराम राठिया, जामपाली – यहॉ जो ब्लास्टिंग कर रहे है हमारा खपरा टूट जा रहा है, जमीन से पानी सुख जा रहा है, हमारे गांव में ब्लास्टिंग कर रहा है।
634. चतुर सिंह सिदार, सरपंच, गारे – हमारे मातृभूमि में गारे 4/2 और 4/3 के बारे में बाहर के लोग आकर समर्थन या विरोध क्यों कर रहे हैं, मैं विरोध करता हूँ।
635. मिनकेतन बेहरा, खम्हरिया –जिंदल के द्वारा कई विकास कार्य किया जाता है। मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
636. खगेश्वर, गारे – मैं जिंदल का विरोध करता हूँ।
637. राजेश त्रिपाठी, जन चेतना, रायगढ़ – आज जो जन सुनवाई करायी जा रही है वह केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के अधिसूचना 2006 के अनुरुप नहीं है, इसलिये इस जन सुनवाई को निरस्त कर दिया जाना

चाहिए। तमनार विकासखण्ड के क्षेत्र में जिन किसानों की जमीन ली जा रही है, उनके घर के युवाओं को रोजगार दिया जाना चाहिए। मानवीय विकास के पहलूओं को भी देखना जरुरी है, अभी कुछ दिन पहले जिंदल के ब्लास्टिंग के कारण टपरंगा के 40–50 मकान के छप्पर गिर गये। मेरी जानकारी के मुताबिक जो लोग कोयला खदान से प्रभावित है, उनका विस्थापन आज तक नहीं किया गया है और आज खदान का विस्तार कर बस्ती से केवल 100 मीटर दूरी पहुॅच गया है। मेरा निवेदन है कि जिंदल कंपनी को यह विचार करना चाहिए कि जो प्रभावित व्यक्ति हैं, उनका विस्थापन पहले कर लिया जाना चाहिए। पूरे रायगढ़ जिले में सबसे ज्यादा तेजी से इस स्थल का पानी का स्तर गिर रहा है, तमनार ब्लाक में 35–40 मीटर पानी का स्तर गिरा है। इस क्षेत्र में इन कोयला खदानों से भू–जल का दोहन करने के कारण यह भू–जल स्तर में गिरावट आया है। अपनी जमीन को बिक्री करना विकास की प्रक्रिया नहीं है, तमनार विकासखण्ड हाथी बाहुल्य क्षेत्र है और इस क्षेत्र में वन विभाग ने लगभग 2,28000 रुपये हाथी प्रभावित लोगों को मुआवजा दिया गया है, हाथियों के पानी पीने के लिये 8,30,000 रुपये खर्च किया गया है। पूरे देश में सबसे ज्यादा रायगढ़ जैसे शहरों में 353 मौतें प्रतिवर्ष होती है, जिस गति से विकास हो रहा है, उसी स्तर से इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाया जाये, जिंदल के मालिक हरियाणा राज्य के निवासी हैं, यहॉ के किसानों को भी हरियाणा के भू–अर्जन नीति के तहत् 3000000 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से 99 वर्ष के लिये लीज पर किसानों से जमीन उद्योगों के द्वारा ली जाती है, तथा पूरे 30000 रुपये प्रतिवर्ष मुआवजा दिया जाता है। वह नीति यहॉ क्यों लागू नहीं की जाती है।

638. कमल लोचन राठिया, महलोई– मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
639. गोकुल सिदार, महलोई – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
640. विद्याधर साव, महलोई – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ। अगर उद्योगपति उद्योग न लगाये और कारखाना चालू न करे तो प्रदेश का विकास नहीं हो सकता, अगर राष्ट्र का विकास चाहते हैं तो उद्योग का समर्थन करना चाहिए। शहर के आने वाले लोग जैसे चाहते हैं, वैसा बोल के चले जाते हैं, उनके उपर कोई कार्यवाही नहीं की जाती, जो लोग ऐसी बाते करते हैं उनपर कार्यवाही करनी चाहिए।
641. रामसिंह सिदार, कसडोल – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
642. भोजराम, टांगरघांट – मेरा एक मांग है, मेरे यहॉ जगन्नाथ मंदिर नहीं है, उसका मांग है, तालाब गहरीकरण और बोर का मांग है।
643. खीरसागर पटेल, महलोई – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
644. नंद कुमार राठिया, धौराभांठा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
645. धनसिंह यादव, धौराभांठा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
646. तुलसी निषाद, डोलेसरा – आज भारत में जो सबसे बड़ी समस्या है वह बेरोजगारी की समस्या और जब आदमी बेरोजगार होता है तो क्या अच्छा है क्या बुरा है, नहीं समझता, आज हमारे क्षेत्र में कोई भी

बेरोजगार नहीं है। क्षमता और योग्यता होनी चाहिए। हमारे क्षेत्र में बंगाल, बिहार, और उड़ीसा से लोग आ रहे हैं रोजगार के लिये। थोड़ा प्रदूषण की समस्या हुई है, लेकिन यह तो पूरे संसार में हो रहा है।, जिंदल के द्वारा पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिये कार्य किया जाता है और हर वर्ष लाखोपेड़ लगाया जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हमारा क्षेत्र काफी आगे है, जिंदल के द्वारा जो शिक्षक दिये जाते हैं, वो शासकीय शिक्षकों से भी अच्छे होते हैं, छात्रवृत्ति भी दी जा रही है, रोगियों को घरपहुॅच सेवा दी जा रही है। किसानों को खेती की टेक्निक सिखाई जा रही है। पेयजल संबंधी समस्या को दूर करने हेतु व्यवस्था की गई है। हर गांव में 8–10 बोर खुदाई करवाया गया है। जो कमियॉ हैं उनको दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

647. अजय पटनायक, डोलेसरा – हम इस उम्मिद से अपनी जिंदगी जी रहे थे, कि शासन हमारे बारे में सोचेंगे। लेकिन आज सारा शासन भ्रष्ट हो चुका है। मैं हर अधिकारी के समक्ष उपस्थित हो चुका हूॅ, हम कोई अमीर नहीं है, हम गरीब है, जो योजनाएं हैं वे गरीब तक ठीक से नहीं पहुॅच पाती है, अब यह काम कंपनी कर रही है। लोग शिक्षा के क्षेत्र में अपने बच्चों को आगे बढ़ा रहे हैं। यह औद्योगिकीकरण के कारण हुआ है, तो हम इसका फायदा क्यों न उठायें। हमारे नेता अपना उल्लू सीधा करने के लिये विरोध करते हैं। इतना अधिक विकास हुआ है इससे ज्यादा और क्या चाहिए।
648. पदमलोचन राठिया, खुरुसलेंगा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
649. उद्धव राठिया, खुरुसलेंगा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
650. भागवतिया, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
651. राजकुमार राठिया, खुरुसलेंगा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
652. रोहित, खुरुसलेंगा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
653. कमला साव, झरना – जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
654. विमला सिदार, झरना –जिंदल का समर्थन करती हू।
655. लक्ष्मी बाई, झरना –जिंदल का समर्थन करती हूॅ।
656. हरवंसा राठौर, रायगढ़ – जिंदल के द्वारा इस क्षेत्र में काफी विकास कार्य किया गया है, और आगे भी किया जायेगा, इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
657. रितेश यादव, धौराभांठा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
658. चन्द्रमणी ठेठवार, खुरुसलेंगा – कुछ कानून के ज्ञाता लोगों ने अपना बात यहॉ रखा है, कानून को ताक में रखकर अगर कोई कंपनी आगे बढ़ सकता है तो वह गलत है, हमने शुरुआत से देखा है जिंदल के द्वारा कास्तकार की जमीन को जबरन छीन लिया गया है। आज से एक युग पहले की बात है, जिंदल की शुरुआत यहीं से हुई है, इसी टपरंगा में जिंदल की शुरुआत हुई है। 12 साल पहले 18000 रुपये के दाम से जमीन क्रय किया गया था, और आज की स्थिति में 12 लाख रुपये एकड़ पा रहा है, आज आप रोना रो रहे हो, यहॉ जो हो रहा है सब की मर्जी के मुताबिक हो रहा है, विरोध करना है तो उसका करो

जो 25 कंपनी को केन्द्र सरकार ने रायगढ़ जिले में अनुमति दी गई है। जो भवन दिख रहा है, वह किसके द्वारा बनाया गया है, जिंदल उद्योग के द्वारा बनाया गया है। किसानों के पक्ष कुछ बात करने जा रहा हूँ । लेकिन यह जिंदल के विरोध में जाता है तो मुझे माफ कर दो ।

659. मुरली धर साहू, बासनपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
660. प्रमोद कुमार, बरकसपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
661. अभीराम , जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
662. रामसिंह चौहान, उत्तर रेगांव – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
663. सोनसाय राठिया , जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
664. रूपसिंह , जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
665. चन्द्रहास टोप्पो , खुरूसलेंगा – जिंदल के आने से विकास हुआ है। हमारे जैसे बेरोजगारो को एक विश्वास था कि रोजगार दिया जायेगा। जिसमें क्षमता है उसे रोजगार दिया जाये । जिस तरह से आप जमीन खरीदने में उत्सुकता दिखाते है उसी तरह बेरोजगारो को खोजने में क्यों नही लगातें। यह बात प्रशासन भी जानती है। दलाल की माध्यम से जमीन न खरीदी जायें। जितने भी जिंदल के दलाल है वे आज मालामाल है। जिसकी जमीन गई वह 90 प्रतिशत कंगाल है। मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
666. बोंदनिधि राठिया, सराईटोला – स्कूल में शिक्षक बच्चो को विरोध करने को कह रहें है। बच्चो से समर्थन लिखवाया जा रहा है। मैं इस कंपनी का विरोध करता हूँ।
667. भवनसिंह , जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
668. छुकालू राम , जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
669. घनाऊ चौहान, जाजंगीर – मैं भूमिहीन हूँ।
670. जयशंकर , तमनार – जनसुनवाई में कुछ ऐसी बात होती है जिसकी जांच जिंदल के द्वारा नही होती है। पहले क्षेत्र के जनता से पूछे की जनसुनवाई हो या नही फिर जनसुनवाई करायें। पहले छ.ग. को धान का कटोरा कहा जाता था। अब प्रदूषण का कटोरा कहा जाता है। और छत्तीसगढ़ के लोगों का अधिकार छीना जा रहा है, किसानों की जमीन को पानी के भाव खरीद लिया जा रहा है, अगर खरीद नहीं पाये तो अंग्रेजों का कानून भू–अर्जन के माध्यम से ले लिया जाता है। किसान आत्महत्या करने पर मजबूर हो रहे हैं, इनके रवैये से किसान और जनता परेशान है, देश में किसानों के लिये कई कानून बनाये गये हैं, लेकिन वो कागजों और फाईलों में दबे हैं, किसानों की आवाज को दबा दिया जाता है। यही हमारे स्वतंत्र भारत के किसानों की स्थिती, देश का पेट भरने वाले किसान आत्महत्या कर रहे है। इस तरह के वाकयात अक्सर जन सुनवाई में देखने को मिलता है, लेकिन अब काले अंग्रेजों का राज है। किसानों की जमीन छीनना और किसानों के साथ ऐसा संज्ञान करना अंग्रेजों के शासन के समान है, किसान पूरे देश के लिये फसल पैदा करता है, उसी को अधिकारी और नेता खाते हैं, खाते समय क्या उनको दया नहीं आती। देश की उपजाऊ जमीन में फैक्ट्री

लगाये जा रहे हैं। मैं इस बारे में एसडीओ , घरघोड़ा से जानकारी मांगी थी, लेकिन कोई जानकारी मुझे नहीं दी गई थी, मैं जिंदल की इस जन सुनवाई को निरस्त करने का आह्वान करता हूँ।

671. कृष्णा साव, तमनार – मैं इस जन सुनवाई में यह जानना चाहता हूँ कि अपना जो संविधान का उल्लंघन हो रहा है । संविधान का उल्लंघन कर लें, लेकिन भारतीय संस्कृति का उल्लंघन न हो, भारतीय संस्कृति के अनुसार पहले शादी हो उसके बाद बच्चा हो, लेकिन आज कोल वॉशरी पहले ही बन गया है और आज जन सुनवाई कराई जा रही है, भारत एक कृषि प्रधान देश है, आज पूरा छत्तीसगढ़ का किसान कटोरा लेकर भीखमांगने के लायक हो गया है। हम नौकरी मांगने जाते हैं, तो हमसे कहा जाता है कि आप उस लायक नहीं हो और नौकरी भी देता है तो गेटकीपर का, अगर चार भाई हैं और एक भाई को नौकरी भी दे दे तो बाकी तीन भाई क्या करे ? जिंदल द्वारा जमीन लूट लिया जा रहा है और भ्रष्ट शासन–प्रशासन उसका सहयोग कर रहा है। जन सुनवाई पर्यावरण के लिये होती है, हम जान चुके है, कि यह क्षेत्र कितना प्रदूषित हो गया है, केलो नदी का पानी पूरा काला हो चुका है। पूरा वातावरण प्रदूषित हो गया है, आज एक बार रोड में चलने के बाद उस कपड़े को पहनने के लायक नहीं रहते। शासन जन सुनवाई कराने का ड्रामा कराते रहेगा, जब कोलवॉशरी बन गया है तो उसका जन सुनवाई क्यों कराया जा रहा है? इस जन सुनवाई को निरस्त कर दिया जाना चाहिए।

672. वेणुधर वैष्णव, तमनार – जमीन भू–अर्जन के द्वारा शासन लेती है और उद्योग को देती है, अगर शासन जमीन को लेती है तो शासन को ही विस्थापित परिवार के लोगों को नौकरी देने कार्यवाही करे। मेरी 12 एकड़ जमीन 2003–04 में भू–अधिग्रहण करके लिया गया है लेकिन आज दिनांक तक न ही नौकरी दी गई है और न ही मुआवजा दिया गया है। मेरी किसी समस्या का निदान आज तक नहीं हो पाया है। जब शासन हमारी जमीन को भू–अर्जन के द्वारा लेती है तो शासन ही हमें नौकरी दे, हम जिंदल के पीछे क्यों भागें ? योग्यता पर नौकरी दी जाये और जो योग्य नहीं हैं उनकों प्रशिक्षित कर नौकरी दी जाये। काला पानी नदी में नहीं छोड़ा जाये। हमने कई बार लिखित में आवेदन दिया है, जिसके कारण पानी पीने के योग्य नहीं रह गया है। आज रायगढ़ से तमनार तक कोई सफेद सर्ट पहनकर नहीं जा सकता, क्या प्रदूषण के नियम का पालन किया जा रहा है, नियम का पालन किया जाये और उसका पालन किया जाये। प्रदूषण की जांच की जाये। ये लोग जो पेड़ लगाने की बात कहते हैं, उसकी टीम बनाकर जांच की जाये। मैं अपना विरोध प्रकट करता हूँ।

673. रघुनाथ चौघरी, सलिहाभांठा – यह जो लोक सुनवाई करवाई जा रही है, उसका मैं विरोध करता हूँ, मेरे 9 एकड़ जमीन में जिंदल बलात कब्जा कर टावर लाईन, पाईप लाईन, स्टोर बनाया जिससे मेरी पत्नि का हार्ट

अटैक आ गया, नवीन जिंदल को तत्काल गिरफ्तार किया जाये और फांसी पर लटका दिया जाये, मैं विरोध करता हूँ।

674. सुरेश कुमार, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
675. वरुण लाल राठिया, पंच, बनई – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
676. हलधरसाव, खुरुसलेंगा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
677. सनत राम राठिया, खुरुसलेंगा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
678. सुरेन्द्र, खुरुसलेंगा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
679. देवसिंह निषाद, सरपंच समकेरा – हमारे पंचायत में जो कार्य हो रहा है उसके लिये, टकेश्वर बेहरा जी है, हम उनका समर्थन देते हैं।
680. रायसिंह, झरना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
681. राजेश पटनायक, महलोई – मैं जिंदल की लोक सुनवाई का समर्थन करता हूँ। आज से दस साल पहले और आज की स्थिति हमारे समर्थन का मुख्य आधार है। हमारे तमनार में कितना विकास हुआ है। हम जयंत बहिदार से पूछना चाहता हूँ कि वो हमारे तमनार की स्थिति को कैसे समझ पायेंगे? तमनार की जनता समझ सकती है कि जिंदल के आने से हमारे क्षेत्र का कितना विकास हुआ है।
682. जागेश्वर बेहरा, बागबेहरा – जिंदल के आने से बहुत विकास हुआ है, गांव में शिक्षक, रोड, पानी की सुविधा मिली है, जिंदल के आने से 120 रुपये से अधिक प्रतिदिन रोजी मिल रहा है।
683. रमेश अग्रवाल, जन चेतना, रायगढ़ – मुझे कुछ स्पष्टीकरण जानने का समय दिया जाये, अगर उद्योग के प्रतिनिधि के कंसलटेंट हो तो मैं उनसे कुछ पूछना चाहता हूँ। मेरी आपत्ति दर्ज की जाये कि मेरी उद्योग प्रतिनिधि से जवाब नहीं दिलाया गया। अभी तक कार्यालय में लिखित में कितने आपत्ति और समर्थन प्राप्त हुए है उनकी संख्या बतायें। आज की जन सुनवाई ई. आई. ए. अधिसूचना 2006 एवं संषोधित 2009 के सभी नियमों के विपरीत कराई जा रही है। आवेदन के 45 दिन के बाद जन सुनवाई कराने का अधिकार पर्यावरण संरक्षण मंडल को नहीं है। 19 अगस्त 2010 को एक प्रस्ताव पारित किया है, ऐसे उद्योग जो पर्यावरणीय स्वीकृति के बगैर अगर स्थापना या निर्माण कार्य प्रारंभ कर देता है तो उसका टी. ओ. आर. समाप्त किया जा सकता है। आज की इस जन सुनवाई में शासन प्रशासन के द्वारा जितना व्यय किया जाता है और कल अगर टी. ओ. आर. विड्रा कर लिया जाता है तब क्या होगा, तब इस जन सुनवाई का कोई औचित्य भी नहीं रह जाता था, लेकिन किन दबाव से किन कारणों से इस जन सुनवाई को कराया जा रहा है, मैंने पर्यावरण अध्ययन किया है, लेकिन इस पूरी हो चुकी कोल वॉशरी को प्रस्तावित बताया है, क्या कंसलटेंट ने अपने दायित्वों का निर्वहन किया, जो कोल वॉशरी एक आम आदमी को दिखती है, हमको दिखती है, उसको अभी तक प्रस्तावित बताया है। ऐसे कंसलटेंट जिन्होंने इतनी बड़ी झूठ अपने ई. आई. ए. में दी. कोल वॉशरी 2007 में ही पूरी हो चुकी है, 80 प्रतिशत पूरी होना तो जिंदल भी बताता है तो ऐसे कंसलटेंट को ब्लेकलिस्टेड कर दिया जाना

चाहिए, उसके ऊपर इंडियन पेनल कोर्ट के कानून के तहत् 420 आदि लगाकर गिरफ्तार कर लिया जाना चाहिए। यह संविधान के अनुसूची 5 के तहत् अधिसूचित क्षेत्र है, यहॉ पेश एक्ट लागू होता है, किसी भी परियोजना के लिये ग्राम सभा की अनुमति जरुरी है न कि ग्रामपंचायत की । 10 वर्षों तक भूमि का डायवर्सन नहीं हो सकता, कंसलटेंट बतायें कि जो जमीन 4/2 और 4/3 में है उसमें से कितना भूमि डायवर्टेड है। 2007 को निरीक्षण किया जाना था, वह 2010 में किया गया, 18.10. 2010 को वह निरीक्षण संदेहास्पद है। कोल वॉशरी का गंदा पानी खेतों में जा रहा है। उसकी फोटो हमने जमा की है। ग्रामीणों को मालूम था, कि आज इन्सपेंक्शन होना था, तो वे 2 बजे से 6 बजे तक गेट पर थे किसी भी ग्रामीण ने किसी अधिकारी को आते–जाते नहीं देखा। न ही किसी अधिकारी के द्वारा किसी से कुछ पूछा गया। मेरी आखिरी आपत्ति है यह जन सुनवाई स्वतंत्र निष्पक्ष नहीं है, मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा है।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी के द्वारा कहा गया कि आप बोल सकते हैं आपको पूरा मौका दिया जा रहा है। साथ ही कंपनी के ई. आई. ए. कंसलटेंट रमेश अग्रवाल के द्वारा उठाये गये प्रश्नों का जवाब दें।

कंपनी के प्रतिनिधि श्री डी. एस. उपाध्याय, ए.व्हीं. पी. के द्वारा बताया गया कि हमारा पॉवर प्लांट 1000 मेगावॉट का जो चल रहा है, उसमें हमारा सी. एच. पी. और माईन्स चल रहा है, वॉशरी की स्थापना छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, के स्थापना सम्मति के आधार पर किया गया है। अगस्त 2007 में हमने उसको बंद कर दिया है।

684. जयपाल भगत, सरपंच, कुंजेमुरा – जिंदल मुआवजा अच्छा दे और शिक्षित बेरोजगारों को नौकरी दे, हमारी जनता अच्छा से जी खा रहे हैं, उनका अच्छा रोजी मिल रहा है, क्षेत्र का विकास हो रहा है, गांव में रोड़ नहीं था, तालाब नहीं था, अब सब बन गया है।
685. आषुतोष बहिदार,तमनार – क्षेत्र के विकास में जिंदल का महत्वपूर्ण योगदान है, आज स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति, बेरोजगारों को रोजगार दिया गया है। मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
686. सत्यनारायण बोहिदार, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅ।
687. दयासागर गुप्ता, जांजगीर – मैं पूछता हूॅ कि यह ई. आई. ए. रिपोर्ट क्या है, हमारा समय नष्ट करते हैं, इस क्षेत्र के लोग एक–एक दाने के लिये तरसते थे, तब वे लोग कहॉ थे? आज हम भरपेट खाते हैं, तो इनका जी जल रहा है। यहॉ आके जनता को भड़काते हैं, यहॉ के लोगों के चेहरे पर हंसी है। जो सपने में मोटरसायकल नहीं सोचा था, वह चार पहिया में चढ़ रहा है। यह विकास नहीं है तो और क्या है? अगर उद्योग को बंद कर देंगे, तो नक्सलाईट पैदा होंगे इसके जिम्मेदार ये लोग होंगे।
688. जगसाय, गारे – मैं जिंदल का विरोध करता हूॅ।
689. नत्थुराम सिदार, कुंजेमुरा – मैं जिंदल का विरोध करता हूॅ।
690. सुधीराम सेठ, जांजगीर –जिंदल का समर्थन है।

691. किशोर सिदार, कुंजेमुरा – जिंदल का समर्थन है।
692. भूमिकेश साहू, कुंजेमुरा – मैं जिंदल का समर्थन है। हमारे गांव में बहुत सारे विकास के कार्य हुए है, शिक्षा के क्षेत्र में और अन्य क्षेत्र में भी विकास हुआ है।
693. राजेन्द्र प्रसाद साव, डोलेसरा – जिंदल का समर्थन है। पहले लोग फालतू घूम रहे थे, आज वे काम कर रहे हैं।
694. तिलक राम, धौराभांठा– मेरा जमीन को ले लिया है।
695. किशोर सिंह, कसडोल – जिंदल का समर्थन है।
696. पूर्णसागर राठिया, कसडोल – शासन ने मेरा जमीन को भू– अर्जन किया है, जिसमें रवी की फसल भी होती थी, एक फसली कहकर भू–अर्जन कर लिया गया है।
697. इन्दर सिंह, जांजगीर – मेरे बाद जमीन को कब्जा करते, जिदंल खोद दिया है।
698. उत्तम कुमार नायक, आमगांव – जिंदल का समर्थन है। जिंदल के आने से तमनार क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास हुआ है।
699. नेहरुलाल पटेल, डोलेसरा – मैं जिंदल का समर्थन है।
700. सुलोचन, आमगांव – जिंदल का समर्थन है।
701. उमाकांत मिश्रा, आमगांव – जिंदल का समर्थन है।
702. रतन लाल पटेल, आमगावं – जिंदल का समर्थन है।
703. पाण्डु बेहरा, आमगांव – मैं जिंदल का विरोध करता हूॅं।
704. महेन्द्र राठिया, खुरुसलेंगा – जिंदल का समर्थन है।
705. रोहित कुमार निषाद, बुड़िया – जिंदल का समर्थन है।
706. लक्ष्मी नारायण चौधरी, तमनार – मैं दोनों प्रस्तावित परियोजना का विरोध करता हूॅं। दो उद्योगों के लिये एक साथ जन सुनवाई नियम विरुद्ध है। इनके द्वारा अपनी लिखित आपत्ति को पढा गया। यह जन सुनवाई निरस्त कर दी जानी चाहिए। पूरा तमनार विकासखण्ड जिंदल के कारण से खोखला हो गया है। यहॉ अगर जिंदल अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम बनाये और अस्पताल बनाये तो हम समझें।
707. मुकेश कुमार गुप्ता, खुरुसलेंगा – समर्थन करता हूॅं।
708. हरिलाल, कसडोल – मैं जिंदल से मकान की मांग करता हूॅं।
709. गोवर्धन, लमडांड – हमको पानी की सुविधा दी जाये।
710. भागीरथी राठिया, लमडांड – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
711. हेतराम टोप्पो, खुरुसलेंगा – इस क्षेत्र में जो काम हो रहा है, उसका मैं समर्थन करता हूॅं। लेकिन अन्य गांवों में भी 25 प्रतिशत काम हो, इस क्षेत्र में एक बड़ा हास्पिटल बने।
712. जयपाल सिदार, खुरुसलेंगा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
713. संजय पटनायक, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
714. केदारनाथ बैरागी, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।
715. ज्वाला प्रसाद गुप्ता, बिजना – जिंदल ने हमारे गांव में बहुत सारे काम किये हैं, गांव में तालाब गहरीकरण, स्कूल में बाउण्ड्री निर्माण किया है। अतः मैं जिंदल का समर्थन करता हूॅं।

716. शुक्लाम्बर सिदार, लिबरा – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।

717. राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – आज के इस जन सुनवाई के संबंध में मैं आपत्ति प्रस्तुत करुंगा, जन सुनवाई की जो प्रक्रिया हमारी सरकार ने रखी है, उसका पालन नहीं कराया जा रहा है। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के अधिसूचना के अनुसार जन सुनवाई नहीं कराई जा रही है। आज के दिन इस क्षेत्र में अतिरिक्त 300 वाहन दिख रहे हैं, समर्थन जुटाने हेतु इन वाहनों का उपयोग किया गया है। हम समर्थन करते हैं तो क्यों करते हैं ? इसकी जानकारी नहीं है क्योंकि लोगों को बरगला कर यहॉ लाया जा रहा है। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार जिस क्षेत्र में परियोजना लग रही है, उससे उस क्षेत्र में क्या प्रभाव पड़ेगा ? इसकी जानकारी पर्यावरण विभाग के द्वारा दिया जाना था, लेकिन उनका पालन नहीं किया गया है। प्रावधानों में अगर जानकारी देने का प्रावधान है तो उसकी जानकारी दी जानी चाहिए, हमारे सामाजिक कार्यकर्ताओं के द्वारा विधिसम्मति जिला दण्डाधिकारी के पास जन सुनवाई को निरस्त करने हेतु पत्र लिखा गया, इन परिस्थितियों में जिला दण्डाधिकारी के द्वारा अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं किया गया, इससे इस जन सुनवाई पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है। संविधानिक पदों पर बैठे व्यक्ति वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं। एक महिला के द्वारा ब्लास्टिंग के दौरान बच्चे की मौत बताया तो पैसे से जन हानि को नही आंका जा सकता। क्षेत्र में जो उद्योग अभी तक स्थापित हो चुके हैं, उनमें कितने जिले के और छत्तीसगढ़ के लोग और बाहर के लोग कार्यरत हैं, इसकी जानकारी नहीं है। इसलिये और अधिक उद्योगों की जन सुनवाई करवाना उचित नहीं है। जिंदल के पूर्व प्लांटों में ली गई जमीन का मुआवजा आज तक नहीं मिला है, और प्रशासन वह नहीं दिलवा पाया है। यह जो जन सुनवाई हो रही है, उसमें निर्माण कार्य पूर्ण से हो चुका है, इसकी जानकारी जिला प्रशासन को है, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई, ई. आई. ए. में इस बात को छिपाना एक गंभीर अपराध है, धारा 420 के तहत् अपराध दर्ज किया जाये, पीठासीन अधिकारी अपराध दर्ज करें। इस परियोजना स्थल से उड़ीसा की दूरी 8 से 10 किलो मीटर की दूरी पर है इसके अनुसार जन सुनवाई उड़ीसा के जिले में भी की जानी थी, जो नहीं करवाई जा रही है। जिला प्रशासन के द्वारा ऐसा नहीं करवाया जाना जिंदल उद्योग का समर्थन प्रदर्शित करता है। जनता के समक्ष जो ई. आई. ए. बनाया जाता है, उसमें वन भूमि, कृषि भूमि, जल की आवश्यकता की जानकारी होनी चाहिए, जो नहीं दी गई है। जो जन सुनवाईयों के उद्देश्यों को प्रभावित कर रही है। इंटरनेट पर ई. आई. ए. को प्रदर्शित नहीं किया गया है। जिससे मुझे ई. आई. ए. प्राप्त नहीं हो सका। इस जन सुनवाई के पश्चात मुझे ई. आई. ए. दिया जाये ताकि मैं न्यायालय में जा सकूं।

718. विपिन कुमार मिश्रा, रायगढ़ – जिंदल के द्वारा विकास किया जा रहा है उसके साथ विनाश भी हो रहा है। आज जिंदल के द्वारा जो भूमि

लिया गया है, उसकी जांच की जाये, स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं दिया जा रहा है, जितने भी कर्मचारी हैं, उनकी जांच की जानी चाहिए।

719. गौरीशंकर गुप्ता, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
720. नंदु पटेल, गारे – ये जो जिंदल कंपनी है वह आर्थिक आजादी नहीं ला सकता, हम किसान और जवान ही ला सकते हैं।
721. देवसागर सिदार, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
722. सुनउराम चौहान, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
723. दयानिधि चौहान, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
724. रमेश यादव,बिजना – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
725. शिवपाल भगत, सारसमाल – मैं जिंदल को 12 एकड़ जमीन दिया हूँ लेकिन नौकरी नहीं मिला है, इसलिये मैं जिंदल का विरोध करता हूँ।
726. मेहर बेहरा, आमगांव – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
727. कन्हाई लाल पटेल, सारसमाल – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
728. उद्धव गुप्ता, आमगांव – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
729. शोभाराम पटेल, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
730. कन्हैया लाल पटेल, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
731. रामेश्वर, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
732. कैलाश, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
733. मोहन लाल, लिबरा – मेरा 7 एकड़ जमीन लिया है मेरे लड़के को नौकरी दिया जाये मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
734. ताराचंद चौधरी, कोसमपाली – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
735. बंधन सिदार, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
736. दयाराम राठिया, जांजगीर – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
737. मनबोध बेहरा, बागबाड़ी – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ। इसका कारण है बेरोजगारों को रोजगार मिलना।
738. फणिन्द्र प्रधान, हमीरपुर – आज जिंदल को पूरे विश्व में जिंदल के कारण जानते हैं, एक आई. टी. आई. यहाँ खुलवाया जाये, उनको कंपनी में नौकरी दी जाये।
739. प्रफुल्ल कुमार गुप्ता, जांजगीर – जब से जिंदल आया है, इस क्षेत्र में विकास हुआ है, पहले जमीन 5 हजार एकड़ में बेचते थे, उसी जमीन को आज 8 से 10 लाख में बेच रहे हैं। इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।
740. मदन सुन्दर मिश्रा, आमगांव – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ। उद्योग बढ़ेगा तो हमें नौकरी मिलेगा।
741. बब्लू साहू, तमनार – मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।

लोक सुनवाई के दौरान जनता द्वारा उठाये गये मुद्दों के संबंध में उद्योग की ओर से उद्योग प्रतिनिधि श्री राजेष सिंह तंवर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, जिंदल पॉवर लिमिटेड ने क्षमता विस्तार पश्चात् होने वाले प्रदूषण के नियंत्रण हेतु लगाये जाने वाले आधुनिक उपकरणों, ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन, जल आपूर्ति तथा लोक सुनवाई के दौरान उठाये गये समस्त बिंदुओं पर बिन्दुवार अपना पक्ष रखा।

संपूर्ण लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी की गई ।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा 7:00 बजे उपस्थित लोगों के सुझाव, आपत्ति, टीका–टिप्पणी पर कंपनी प्रतिनिधि की ओर से जवाब आने के पश्चात् लोक सुनवाई के समाप्ति की घोषणा की गई।

(जे. लकड़ा)
क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायगढ़

(एस. के. शर्मा)
अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)